भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

उत्तर तालमेल कमेटी (NCC)

प्रेस रिलीज

तारीख: 28 फरवरी, 2026

9वीं कांग्रेस-एकता कांग्रेस में निर्धारित पार्टी की राजनीतिक लाइन जिंदाबाद !
मार्क्सवाद-लेनिनवाद-माओवाद का झण्डा बुलंद रखो !
अवसरवाद-विघटनवाद-संशोधनवाद को ध्वस्त करो !
गद्दार गोपाल मिश्रा और उसके गुट का भंडाफोड़ करो !
गद्दार सरकारी एजेंट प्रशांत राही का भंडाफोड़ करो !

कामरेड्स,

"पार्टी के गैरकानूनी अस्तित्व के प्रति हमारा नजरिया बरकरार रहा है, वास्तव में यह जरूरी भी है। हमारा मुख्य कार्यभार है रूस की सामाजिक जनवादी पार्टी को बचाना और सुदृढीकरण करना और बाकी सबकुछ इसके मातहत रहेगा। केवल इस सुदृढीकरण को हासिल कर लेने के बाद हम कानूनी अवसरों का सदुपयोग पार्टी के हितों के लिए कर पाएंगें"। कामरेड लेनिन द्वारा लिखित 1909 के लेख "प्रोलेतारी के संपादक मण्डल की विस्तृत कांफ्रेस" की ये लाइनें वर्ष 2026 में भी मार्गदर्शन के रूप में हैं, इसलिए ही तो मार्क्सवाद-लेनिनवाद-माओवाद एक विज्ञान है। मौजूदा नाजुक मोड़ पर हमारी पॉलिट ब्यूरो द्वारा निर्धारित किया गया केंद्रीय कार्यभार भी कामरेड लेनिन द्वारा दी गई शिक्षा का अनुसरण करता है, हमें भी पार्टी के गैरकानूनी अस्तित्व के लिए लड़ना होगा। हमें पार्टी की भूमिगत प्रकृति को बचाना होगा। हमें हमारे महान शिक्षक कामरेड लेनिन द्वारा स्थापित सिद्धांतों पर निरंतर प्रतिबद्धता जाहिर कर अवसरवाद-विघटनवाद-संशोधनवाद के खिलाफ निर्मम वैचारिक-राजनीतिक संघर्ष चलाना होगा। यहीं, हमारी पार्टी द्वारा हाल ही में अनुशासनात्मक कार्यवाई कर अवसरवादी-विघटनवादी संशोधनवादी तत्वों को निष्कासित करने में झलकता है।

क्रांतिकारी आंदोलन के विघटनकारी पिछड़े उत्पादन संबंधों के उत्पाद हैं। देश में बढ़ते वित्तीय पूंजी निवेश के कारण बड़ी तादाद में मध्यम वर्ग समेत निम्न पूंजीपति वर्ग का जन्म हुआ है। यह वर्ग सामंतवाद में फंसे होने के साथ-साथ साम्राज्यवाद का भी नियमित बुनियाद है। निम्न पूंजीपति वर्ग के बारे में हमारी पार्टी के दस्तावेज रणनीति-कार्यनीति

में बताया गया है कि "इसका पहला तबका हमेशा सामाजिक सीढ़ी में ऊपर उठने, राष्ट्रीय पूंजीपति वर्ग के करीब जाने की आशा रखता है, उदार पूंजीपति वर्ग द्वारा किए गए प्रचार पर अधिक विश्वास करता है और क्रांति को शक की नजर से देखता है। निम्न पूंजीपति वर्ग के अंदर यह तबका अल्पसंख्यक हैं और इसका दक्षिणपंथी हिस्सा है।" इसमें आश्चर्यचकित होने की बात नहीं है कि जिन विघटनकारियों के खिलाफ हम संघर्ष कर रहे हैं, वे शासक वर्गीय बड़े जमींदारों और निम्न पूंजीपति वर्ग के इसी ऊपरी तबके से आते हैं। और यदि हम जनता के क्रांतिकारी आंदोलन को बिखरने और बर्बाद होने से बचाना चाहते हैं तो हमको विघटनकारियों का भंडाफोड़ करना और उनके खिलाफ संघर्ष करना जरूरी है।

पार्टी के अंदर अवसरवादी-विघटनवादी-संशोधनवादी तत्वों की मौजूदगी के कारण क्रांतिकारी कम्युनिस्ट पार्टी तो दूर की बात है, क्रांतिकारी आंदोलन भी नहीं बनाया जा सकता। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास पर चर्चा के दौरान हमारे महान शिक्षक कामरेड माओ ने बताया कि जब पार्टी के अंदर ज्यादा संख्या में असरवादी घुस जाते हैं और हम उन्हें निकालने में असक्षम रहते हैं तो यह इस बात का सूचक है कि हमारी पार्टी आज भी शुरुआती चरण में है। अवसरवाद विघटनवाद संशोधनवाद के खिलाफ संघर्ष तीखा होने के क्रम में पार्टी भी वैचारिक और राजनीतिक तौर पर मजबूत होती है। अवसरवाद के खिलाफ संघर्ष में कमजोरी का कारण उदारतावाद है। जब पार्टी परिपक्व होती है, तो वह उदारतावाद को छोड़ देती है और मार्क्सवाद लेनिनवाद माओवाद को आत्मसात करती है।

हमारी पार्टी केंद्रीय कमेटी के मार्गदर्शन में और हमारे वीर शहीद महासचिव कामरेड बसवाराजू द्वारा दी गई दिशा के तहत पार्टी की वैचारिक राजनीतिक समझदारी की प्रक्रिया तेज हो रही है। इस प्रकार अवसरवादियों-विघटनवादियों-संशोधनवादियों से छुटकारा पाना हमारी पार्टी का मुख्य कार्यों में से एक है। इसी कड़ी में हम यह प्रेस बयान पेश कर रहे हैं। हमारी पार्टी पर साम्राज्यवाद द्वारा समर्थित मनोवैज्ञानिक युद्ध बढ़ता जा रहा है। चारों तरफ से दुश्मन ने अपने एजेंटों (वैचारिक-शारीरिक रूप में) को भेजकर हमारे ऊपर आक्रमण तेज किया है। पर इन सबके खिलाफ लड़ते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं।

जैसा कि आप सब जानते हैं कि हमारा हालिया प्रेस बयान में हमने हरियाणा में सतीश उर्फ जोगिंदर सिंह और पंजाब में राजू उर्फ केपी को पार्टी से निष्कासित किया था। यह पॉलिट ब्यूरो प्रस्ताव-2023 के तहत किया गया था जिसमें इन सारे षड़यंत्रकारियों से यह कहा गया कि वे अपना आत्मालोचना पेश करें और अपनी गलतियों का एहसास करें, पर इसकी बजाय इन पार्टी विरोधी विघटनकारी तत्वों ने पार्टी के कामकाज को बाधित करने का काम शुरू कर दिया। दिल्ली में गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में चल रहा एक गुट ऐसा ही एक विघटनकारियों का समूह है जिसके प्रतिनिधि 2023 में बलराज उर्फ बच्चा प्रसाद सिंह के नेतृत्व में हुई बैठक में सम्मिलित थे। इस पार्टी विरोधी बैठक के प्रस्ताव हमारे पास हैं। इन प्रस्ताव में कहा गया है कि दिल्ली में मौजूद पार्टी कमेटी के साथ एकता बनाना राजनीतिक-सांगठनिक दोनों पहलुओं से गैर-सैद्धांतिक है। इससे यह साफ पता चलता है कि गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में चल रहा यह पार्टी विरोधी ग्रुप शुरू से ही पार्टी एकता के विरुद्ध था। सवाल यह है कि वह पार्टी के साथ एकता क्यों नहीं बनाना चाहता?

ऐसा इसीलिए है क्योंकि राजसत्ता द्वारा किए गए दमन ने उनका वर्गीय चरित्र बदल दिया है। उनकी लाइन हमारी पार्टी की लाइन से अलग है। वे नवजनवादी क्रांति का नेतृत्व कर रहे सर्वहारा वर्ग के दुश्मन हैं। वे क्रांतिकारी आंदोलन में विघटनकारी हैं। वे पार्टी के गैरकानूनी अस्तित्व का परित्याग कर उसे एक खुली कानूनी पार्टी में तब्दील करना चाहते हैं, जो उनके शासक वर्गीय हितों को भाते हों। उनकी यह समझदारी गद्दार बच्चा प्रसाद सिंह उर्फ बलराज के साथ एकता के लिए मजबूत आधार का काम कर रही है जो उत्तर भारत में पार्टी विरोधी विघटनकारी खेमें के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहा है। उसके अंतर्गत हरियाणा में सतीश मास्टर उर्फ जोगिंदर सिंह, पंजाब में राजू उर्फ केपी और दिल्ली में गोपाल मिश्रा उर्फ रघु है। आइए अब यह देखें कि यह क्या बोलता है, इनके विचार क्या हैं और यह किन-किन पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल है:-

1. गोपाल मिश्रा के जेल से बाहर आने के बाद से ही वह केंद्रीय कमेटी से नहीं मिला है और उसने कभी भी पार्टी के सामने आत्मालोचना पेश नहीं की। उसने जेल में रहते हुए मजबूत हुई गलत राजनीतिक समझदारी के साथ काम करना शुरू कर दिया।
2. वह इलाकावार सत्तादखल के जरिए छापामार क्षेत्रों और उन्हें आधार क्षेत्रों में विकसित करने की अवधारणा पर आधारित दीर्घकालीन लोकयुद्ध-चीनी रास्ते के खिलाफ है। इसीलिए गोपाल मिश्रा लगातार पार्टी की रणनीति-कार्यनीति को तब्दील करने की बात दोहरा रहा है। वह और उसके ग्रुप के सदस्य 9 वीं कांग्रेस-एकता कांग्रेस की लाइन को विखंडित करने की गुहार लगाने वालों में से सबसे मुखर प्रवक्ता है। पर ऐसा कोई प्रवक्ता इतना मजबूत नहीं है कि वह 9वीं कांग्रेस-एकता कांग्रेस की गूंज को रोक दे। पार्टी की एकता कांग्रेस-9वीं कांग्रेस में घोषणा की गई कि अर्धऔपनिवेशिक-अर्धसामंती भारत में क्रांति का मार्ग चीनी रास्ता रहेगा और नवजनवादी क्रांति के दौरान हमारी पार्टी भूमिगत रहेगी। संघर्ष का उच्चतम रूप हथियारबद्ध संघर्ष और हमारा सारा काम जनयुद्ध की सेवा में होगा। हमारी पार्टी की एकता कांग्रेस-9 वीं कांग्रेस में केंद्रीय कार्यभार के रूप में छापामार क्षेत्रों को आधार क्षेत्रों में, जन मुक्ति छापामार सेना को जन मुक्ति सेना में और छापामार युद्द को चलायमान युद्ध में तब्दील करने का फैसला लिया गया था। हमारी पार्टी की पॉलिट ब्यूरो बैठक में पारित अगस्त 2024 पॉलिट ब्यूरो प्रस्ताव के अनुसार हमारा केंद्रीय कार्यभार तब्दील कर दिया: पार्टी, जनसेना और संयुक्त मोर्चा को बचाएंगें; धक्का खाए हुए बिहार-झारखंड और दण्डकारण्य के छापामार क्षेत्रों और छापामार आधारों को पुनर्जीवित करेंगें; स्वत:स्फूर्त जन आंदोलन में भागीदारी करते हुए पार्टी, जनसेना और सांझा मोर्चा का निर्माण करेंगें। मैदानी, शहरी केंद्रों और पहाड़ी इलाके में कामकाज आधार क्षेत्र निर्माण को ध्यान में रखते हुए करना है। यह दर्ज करना जरूरी है कि हम अभी भी 9वीं कांग्रेस-एकता कांग्रेस में निर्धारित केंद्रीय कार्यभार की तरफ आगे बढ़ने के लिए तत्पर हैं, परंतु राजकीय दमन के कारण और हमारे इलाकों में सैटबैक के कारण मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हमने नया केंद्रीय कार्यभार तैयार किया है।
3. गोपाल मिश्रा दिल्ली में हमारे कामकाज को बिखेरने का काम कर रहे हैं, वे हमारे ऊपर हमला करने में राज्य की मदद करते हैं। वे पार्टी कमेटी द्वारा लिए गए फैसलों के खिलाफ दुष्प्रचार करते हैं। जेल से बाहर आते ही उसने स्थानीय पार्टी नेतृत्व को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ये और उनके गुट के सदस्य वहीं हैं

जिसने कामरेड साईबाबा को तानाशाह और प्राधिकारवादी के रूप में प्रचारित किया। इन्होंने कामरेड साई को अलग-थलग करने में पूरी ताकत लगा दी। जो कोई भी मार्क्सवाद-लेनिनवाद-माओवाद और पार्टी की राजनीतिक लाइन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाता है, वह उनके लिए तानाशाह है। वे विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मिलकर हमारे संगठन को लाल आतंकी बताकर छात्रों, नौजवानों और बुद्धिजीवियों को हमसे दूर करने का काम कर रहा है। वे लोगों में सफेद आतंक फैला रहे हैं। कई ऐसी घटनाएं हुई जिनमें वे पार्टी के नेतृत्व में सक्रीय संगठनों से जुड़ने के लिए लोगों को धमका रहे हैं। इनके पार्टी कामकाज में रुकावट पैदा करने के ये दोयम दर्जे के तरीके काम नहीं करेंगें। 2013 से वे ऐसा कर रहे हैं, परंतु हम फिर भी आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हम मार्क्सवाद-लेनिनवाद-माओवाद पर मजबूती से टीके हुए हैं। धरती पर कोई भी ताकत हमको नहीं रोक सकती है। साम्यवाद अपरिहार्य है और इसीलिए हमारी पार्टी का उभार भी अपरिहार्य है।

4. वह और उसका गुट स्टेट एजेंटों और ऐसे लोग जिनपर हमारी पार्टी को गंभीर शक है, के लिए एक सुरक्षित स्वर्ग है। प्रशांत राही को बढ़ावा देना और उसे मदद करने का हालिया मामला इसी प्रकार का है। प्रशांत राही राज्य और उसके गुप्तचर विभागों के लिए एक विस्तृत हथियार है। हमारी केंद्रीय कमेटी ने उस पर जेल जाने से पहले अनुशासनात्मक कार्यवाही की थी। उसे पार्टी संगठनकर्ता की जिम्मेदारी से हटाकर कुछ तकनीकी रूप से मदद करने की जिम्मेदारी दी गई थी। दूसरे राज्य के पार्टी कामकाज में दखलअंदाजी करने के क्रम में गभीर अनुशासनहीनता करने के कारण उनपर यह अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई थी। उनके द्वारा की गई सारी दखलअंदाजी राज्य और शासक वर्ग के पक्ष में थी। हमारा ये शक तब पुख्ता हुआ जब हमें यह पता चला कि कामरेड साईबाबा ने शहीद होने से पहले कुछ लोगों को अवगत कराया कि प्रशांत राही का महेश तिर्की, विजय तिर्की, हेम, पांडु नरोटे और साईबाबा की गिरफ़्तारी में हाथ है। यह याद रखना जरूरी है कि जेल होने के बाद उसकी सदस्यता सस्पेंड हो गई थी। दिल्ली, पंजाब और अन्य जगहों पर अतीत और हाल में की गई गतिविधियों को देखते हुए हम इस निष्कर्ष तक पहुँचें है कि वह एक स्टेट एजेंट है। यह हमने कई पार्टी हमदर्दों को बताया भी है, परंतु गोपाल मिश्रा और उसका गुट इस पर कार्यवाई करने की बजाय भोजन और आश्रय देने का काम कर रहा है। यह इसीलिए है क्योंकि उसका गुरु बच्चा प्रसाद सिंह उर्फ बलराज ने फैलाया है कि प्रशांत राही उसका एक खुला चेहरा है। वह देशभर में पार्टी के नाम पर घूम रहा है। इसीलिए हम स्पष्ट करते हैं कि प्रशांत राही और कुछ नहीं बल्कि एक गिरगिट है जो अपने आपको बचाने के लिए रंग बदलता रहता है। वह सिर्फ पार्टी और उसके नेतृत्व में सक्रीय जनसंगठनों को विखंडित करने के लिए घूम रहा है। वह गिरगिट की तरह रंग बदलकर मार्क्सवाद लेनिनवाद माओवाद की छत्रछाया में छात्रों और निम्न पूंजीपति बुद्धिजीवियों को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। वह क्रांतिकारी संगठनों के नेतृत्वकारियों के साथ व्यक्तिगत रिश्ता बनाकर प्रत्यक्ष राजनीतिक नियंत्रण स्थापित करके उन्हें विखंडित करना चाहता है। हम सभी क्रांतिकारी संगठनों के नेतृत्वकारियों से इस एजेंट का भंडाफोड़ करने का आह्वान करते हैं। क्रांतिकारी आंदोलन के अंतर्गत सभी स्टेट एजेंटों को अलग-थलग कर भंडाफोड़ करना जरूरी है। हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि एक पार्टी सदस्य के ठीक विपरीत, एक स्टेट एजेंट क्रांतिकारी आंदोलन और पार्टी को खत्म करने के लिए काम करता है। उसके बुरे इरादे को छुपाने के लिए

क्रांतिकारियों को निजी मदद करने का काम सिर्फ एक मुखौटा है। प्रशांत राही जैसे तत्वों को आश्रय प्रदान करने के अलावा गोपाल मिश्रा उर्फ रघु अपने ढाँचे में उन लोगों को भी जोड़े हुए है, जिनको पार्टी ने महिला विरोधी कामों जैसे यौन उत्पीड़न, एक से ज्यादा यौन संबंध, अतिरिक्त शादी संबंध और शादी से पहले यौन संबंध आदि के कारण निकाल दिया था। इन्होंने उन व्यक्तियों के सिर पर ताज पहना दिया है, जिनके ऊपर हमारी पार्टी में यौन उत्पीड़न के मामले विचाराधीन है। यह एक परंपरा बन गई है कि हम किसी महिला विरोधी गतिविधि के कारण किसी पर कार्यवाई करते हैं और वो जांच और उचित दंड से बचने के क्रम में गोपाल गुट में भाग खड़े होते हैं। और गोपाल मिश्रा इन्हें दोनों हाथ फैलाकर गरमजोशी भरा स्वागत कर अपने गुट में शामिल कर लेता है। यह गोपाल मिश्रा गुट की सजीव व्याख्या है।

5. गोपाल मिश्रा उर्फ रघु ने अपने स्तर पर 2017 से पार्टी द्वारा चलाया जा रहा एकता प्रक्रिया को छोड़ा है। 2023 की विघटनकारी मीटिंग के बाद भी हमने इससे संपर्क किया था और कहा था कि राजनीतिक मतभेदों को हल करने के लिए एकता प्रक्रिया में आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन वह कहता है कि राजनीतिक मतभेद पर चर्चा ना करें और पहले ही सांगठनिक एकता बनाएं। इस मत के खिलाफ हमारी पॉलिट ब्यूरो ने 2023 में यह फैसला लिया कि हम बिना राजनीतिक मतभेदों पर चर्चा के कोई सांगठनिक एकता नहीं करेंगें। अब जब राजकीय दमन का बहाना बनाकर गोपाल मिश्रा उर्फ रघु हमसे मिलने से मना कर दिया, हम यह निष्कर्ष पर पहुँचें हैं कि वह पार्टी के साथ एकता बनाना ही नहीं चाहता था। वास्तव में वह सांगठनिक एकता की बात करके पूरी पार्टी के अंदर अपनी अवसरवादी लाइन को स्थापित करना चाहता था। वह सोचता था कि अगर एक बार सांगठनिक एकता हो गई तो पार्टी संगठन के अंदर अवसरवादी लाइन स्थापित करना आसान हो जाएगा। इसका पार्टी विरोधी गतिविधियों और बलराज के साथ नजदीकी लगाव को देखते हुए हमारी कमेटी यह मानती है कि ये पार्टी के लिए बलराज से कम बड़ा खतरा नहीं है।
6. गोरतलब है कि केंद्रीय कमेटी व उच्चतर कमेटी को बिना बताए गोपाल मिश्रा और उसके गुट के लोग जनता और हमदर्दों से पार्टी के नाम पर चंदा ले रहे हैं। हम इसे भ्रष्टाचार मानते हैं। पार्टी से छिपाकर चंदा इकट्ठा करके वह अपने पार्टी विरोधी मंसूबों को अंजाम देने का ही कोशिश कर रहा है। अवसरवादी-विघटनवादी-संशोधनवादी ताकतों को मजबूत करने का काम वह इन्हीं पैसों से करता है।

हम ऊपर दिए गए तथ्यों के आधार पर पार्टी संविधान की धारा 27 के तहत गोपाल मिश्रा को पार्टी से निष्कासित करते हैं। हम यह दोबारा दोहराते हैं कि विघटनकारी पार्टी में नहीं रह सकते। अगर विघटनकारी पार्टी के अंदर फल-फूल रहे हों, तो पार्टी, पार्टी के रूप में नहीं रह सकती। गद्दार विघटनकारी गोपाल मिश्रा के गुट में मौजूद सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील करते हैं कि वे गोपाल मिश्रा का भंडाफोड़ करें और इस विघटनकारी को अलग-थलग करें। इसके साथ ही उनसे यह अपील है कि उनके इलाके में मौजूद सही पार्टी ढाँचे के साथ जुड़ें और अवसरवाद-विघटनवाद-संशोधनवाद के खिलाफ पार्टी द्वारा किए जा रहे संघर्ष को ऊंचा उठायें।

जारीकर्ता:

उत्तर तालमेल कमेटी (NCC)

भाकपा(माओवादी)